बहुत ही सहज है राजयोग...

कभी-कभी आप कम्पयूटर पर काम करते हैं तो उस समय आप अन्दर से कोई फोल्डर या फाईल पर काम करते हैं ना कि अलग से टाईप करते हैं। ठीक उसी प्रकार हमारे संस्कारों में बहुत सारे पुराने फोल्डर्स वा फाईल्स (पुरानी आदतें, यादें, भूतकाल की बातें, दु:ख देने वाली बातें आदि-आदि) पड़े हुए हैं जो बीच-बीच में मन रूपी पर्दे पर आते रहते हैं। इसलिए आप कभी बहुत खुश होते हैं पुरानी बातें याद करके और कभी बहुत दु:खी होते हैं। जैसे कम्पयूटर में कोई फोल्डर को सर्च करने के लिए एक संकेत (क्ल्यू) का इस्तेमाल करते हैं। ठीक वैसे ही जब भी हम किसी भी व्यक्ति को देखते हैं जो बीस साल पहले मिला हो उसी समय उससे सम्बन्धित सभी पुरानी बातें याद आ जाती हैं।

दूसरा : पूर्व जन्मों के संस्कार - कई बार आप नवजात बच्चे को अलग-अलग हरकतें करते हुए देखते हैं। कई बार वो अपने आप हँसने लग जाता है या फिर रोने लग जाता है, तो मान्यता यह है कि बच्चे भगवान का रूप हैं और भगवान जी बीच-बीच में इन्हें हँसाते और रुलाते हैं। जबकि यह हमारे पूर्वजन्मों के संस्कार हैं जो बीच-बीच में जागृत हो जाते हैं। पैदा होने के बाद इस जन्म में आपने जो कुछ भी किया है, अगले जन्म में उसका प्रभाव बीच-बीच में दिखाई दे जाता है। इसका उदाहरण है कि कई माँ-बाप बहुत सीधे और सज्जन होते हैं लेकिन उनके बच्चों के संस्कार बहुत अलग होते हैं। यदि चार बच्चे हैं तो चारों के अलग-अलग संस्कार हैं।

तीसरा : वातावरण के संस्कार - आज हमारा वातावरण पूर्णतया दूषित हो चुका है। जो भी बाहर कुछ नया दिखाई देता है उसका प्रभाव बच्चों पर तुरन्त पड़ता है। माता-पिता की शिकायत भी होती है कि पहले हमारा बच्चा ऐसा नहीं था। अभी वातावरण के कारण बिगड़ गया है। वातावरण का मतलब यह है कि उसके दोस्तों का संग, सहकर्मियों का संग, पड़ोसियों का संग, साथ में इन्टरनेट, फेसबुक, वॉट्सऐप के कारण आज बच्चों का मानसिक सन्तुलन बिगड़ गया है। आज वो सब कुछ देखते हैं और वैसा ही व्यवहार करते हैं।

चौथा संस्कार: ज़बरदस्ती बदले हुए संस्कार (विलपॉवर) - इस संस्कार को थोड़ा ध्यान

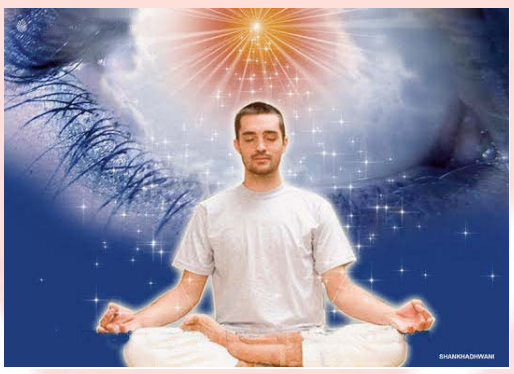

से समझने की ज़रूरत है। कुछ लोग कहते हैं कि विलपॉवर तो अच्छी चीज़ है, लेकिन विलपॉवर नकारात्मक रूप से भी तो काम करती है। जिस प्रकार आज तक हम बहुत सारी बातें कहते आए लेकिन उसका गलत प्रभाव हमारे ऊपर पड़ता है, इसको हमने नहीं समझा। जैसे झूठ बोले बिना काम नहीं चलता, गुस्सा किए बिना काम नहीं चलता, आजकल थोड़ा चालाक होना ज़रूरी है, एकदम आँख मूंद कर किसी पर विश्वास मत कर लो, बेटा वहाँ जा रहा है तो मार खाकर मत आना, मार के आना। इसके अलावा कुछ मान्यतायें भी हैं जैसे सुबह-सुबह खाली बाल्टी देखना, कहते हैं आज काम नहीं होगा, बिल्ली रास्ता काट जाये तो कहते हैं आज काम नहीं होगा। अब आप बताओ कि बिल्ली को पता है कि आप अभी निकलने वाले हैं और मुझे रास्ता काटना है। कितनी अजीब बात हैं ना! ये सारे संस्कार हमने ज़बरदस्ती बदले हैं और आज वो ना चाहते हुए भी हो जाता है क्योंकि वो संस्कार में है। क्या आप चौबीस घंटे गुस्सा कर सकते हैं ? शायद नहीं! हाँ चौबीस घंटे आप शांत ज़रूर रह सकते हैं।

इसके अलावा कई बच्चे बार-बार अपने लिए कहते , मैं तो डम्प हूँ, डलहेड हूँ या पागल हूँ या मूर्ख हूँ आदि-आदि शब्द इस्तेमाल करते हैं। यह संस्कार उनका पक्का होता जाता है और एक दिन उनको सभी उसी नज़र से देखने लग जाते हैं। आप सबसे हमारा ये विन्रम अनुरोध है कि आप अपने बारे में अच्छी-अच्छी बातें बोलें, जिससे आपको भी सुख मिले और दूसरों को भी।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-16

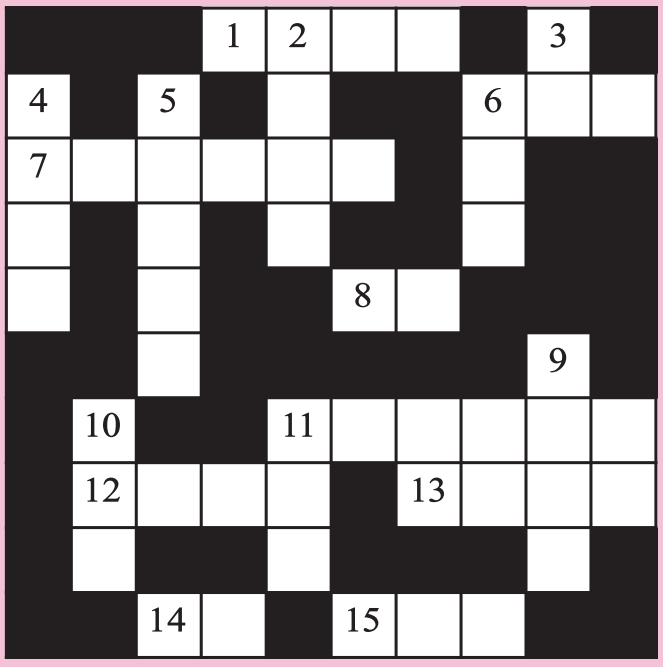

बनें विजेता : पहेली के कॉलम को काटकर व पेपर पर चिपकाकर उसके साथ उसका जवाब लिखकर हमें इस मीडिया के पीछे लिखे हुए पते पर भेजें। एक वर्ष के भीतर पूछे गए सभी पहेलियों में जिसका सबसे ज्यादा सही जवाब होगा उन्हें विजाताओं के लिस्ट में शामिल किया जाएगा और वर्ष के अंत में उन्हें आकर्षक ईनाम दिया जाएगा। इसलिए पहेली को ध्यान से पढ़िए, समझिए और भेज दीजिए हमारे पास उसका सही जवाब लिखकर और बनिए वर्ग पहेली के 'विजेता ऑफ द ईयर'।

पहेली की फोटो कॉपी या पोस्ट कार्ड पर भेजा गया पहेली का जवाब मान्य नहीं होगा। पहेली का जवाब भेजें तो उस लिफाफे पर आप अपना भी पूरा पता अच्छी लिखावट में लिखें, अपना मोबाइल नम्बर और हो सके तो अपना ई.मेल आईडी भी लिखकर भेंजें ताकि हमें पहेली का विजेता चुनने में कोई कठिनाई ना हो।

शिव को याद करो और उनके नामों व गुणों से पहेली को हल करो

ऊपर से नीचे

2. शिव राम के भी ईश्वर....हैं।
3. शिव का एक नाम....भी है।
4. शिव ज्ञान का सोमरस पिलाने वाला....है।
5. शिव को कभी काल नहीं खाता, इसलिए....भी कहते हैं।
6. शिव....हैं, कभी जन्म नहीं लेते।
9. शिव सारे विश्व के नाथ....हैं।
10. शिव ब्रह्मा-विष्णु-शंकर के रचयिता होने के कारण....शिव कहलाते हैं।
11. शिव पत्थरबुद्धि आत्माओं को पारसबुद्धि बनाने वाले....नाथ हैं।

बायें से दायें

1. शिव का कोई शारीरिक आकार नहीं है, इसलिए उन्हें....कहते हैं।
6. शिव....नाथ हैं क्योंकि जन्म-मरण रहित हैं।
7. शिव कालों के काल....हैं।
8. ....का अर्थ है कल्याणकारी।
11. शिव हमारे पापों को काटने वाला....है।
12. शिव मुक्ति देने वाला....है।
13. शिव, हम आत्माओं की बीमारी दूर करने वाला....है।
14. शिव को....भी कहते हैं।
15. बाबा कांटों को फूल बनाने वाला....नाथ है।

- ब्र.कु.पायल,बोरीवली लोखंडवाला

झालावाड़-राज.। कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट एवं कांग्रेस उपाध्यक्ष प्रमोद जैन को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मीना।

दिल्ली-ओम विहार(उत्तर नगर)। हाई टेक कार मास्टर्स,टाटा मोटर्स में मानसून कैम्प का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. विमला। साथ हैं टाटा मोटर्स के जी.एम. बलप्रीत सिंह व अन्य।

बरवाला-हरियाणा। 'रोड सेफ्टी मिशन' के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में एस.डी.एम. अटकन जी को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. इंदिरा।

मेरठ। शांति पब्लिक स्कूल में '7 बिलियन एक्ट्स ऑफ गुडनेस' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. श्वेता, ब्र.कु. मोना, शिक्षकगण व छात्र-छात्राएं।

अबोहर-पंजाब। नये वर्ष के आगमन पर आयोजित कार्यक्रम में केक काटते हुए ब्र.कु. पुष्पलता, ब्र.कु. सुनीता, शकुंतला सोनी, डॉ. कंचन खुराना, श्याम सुंदर सचदेवा, बलराम सिंगला, डॉ. राजिन्द्र मित्तल व डॉ. आकाश खुराना।

रायागडा-ओडिशा। 'किसान सशक्तिकरण अभियान' के उद्घाटन अवसर पर सम्बोधित करते हुए सुभाष चन्द्र बिसवाल,डिप्युटी डायरेक्टर,एग्रीकल्चरल डिपार्टमेंट। साथ हैं ब्र.कु. श्रीमती, अबनति साहू,सी.डी.पी.ओ., अंतर्यामी नायक,डायरेक्टर,रूरल सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट व ब्र.कु. अश्विनी।